Literacy for a Billion

Movie: Vivah
Year: 2006

Song: Oh jiji kya kah ke unko
Lyricist: Ravindra Jain

ओ जीजी
क्या कहके उनको बुलाओगी
दूल्हा बनके जो आएँगे
ओ जीजी
बोलो तो
क्या कहके उनको बुलाओगी
दूल्हा बनके जो आएँगे
ये जी ओ जी हम ना कहेंगे
हम तो इशारों में बातें करेंगे
ये जी ओ जी हम ना कहेंगे
हम तो इशारों में बातें करेंगे
सब जैसे अपने उनको बुलाते हैं
वैसे हम ना बुलाएँगे
ओ छोटी
शादी है दिल्ली का लड्डू
लड्डू ये हर मन में फूटे
इसका लगे हर दाना भला
हो जो खाए पछताए
जो ना खाए वो पछताए
तो खाकर ही पछताना भला
ये लड्डू तुझको भी एक दिन खिलाएँगे
तेरे साजन जब आएँगे
ओ छोटी

गाने को तुम गा रही हो
जी अपना बहला रही हो
नज़र तो है राहों में लगी
हे छोटी तू खोटी बड़ी है
बहना को बस छेड़ती है
मैं तो यहाँ कामों में लगी
आने दो जीजी तुम्हारे जी की दशा
जीजा को बताएँगे
ओ जीजी

*Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.*

*PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.*